तापमान
अधिकतम 31.2 डिग्री
न्यूनतम 21.1 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 1 सितंबर 2025

9 भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनीं पीएम मोदी के ...

10 संघ में घोष केवल वादन या मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ...

खबर संक्षेप

दीपा दहिया बनीं नर्सिंग एसोसिएशन की प्रधान

रोहतक। नर्सिंग एसोसिएशन का चुनाव डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग सेंटर में शांतिपूर्ण ढंग से संपूर्ण हुआ। रोहतक के लगभग 240 मेंबर में से 191 लोगों ने मतदान किया। जिसमें दीपा दहिया 97 वोट लेकर प्रधान बनी जबकि गीता फोगाट को 81 व परवीन कुमारी को 13 वोट मिले। महासचिव के पद के लिए अमरपाल हुड्डा 116 वोट लेकर महासचिव बनें जबकि नीरज कुमारी को 75 वोट मिले। सभी कैंडिडेट ने आजाद प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा। चुनाव बड़े ही शांतिपूर्ण ढंग से व सभी नर्सिंग अधिकारियों की सहमति से निष्पक्ष चुनाव किया गया।

सूर्य ग्रुप द्वारा पौधरोपण किया गया

रोहतक। सूर्या ग्रुप द्वारा पौधरोपण अभियान के तहत राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे प्राचार्या रजनी शर्मा की सेवानिवृत होने पर पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या ने स्वयं पेड़ लगाए। यह पेड़ उनकी याद दिलाते रहेंगे। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ, प्राचार्या व उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

छात्राओं ने कैंप में सीखे आत्मरक्षा के गुर

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविधालय में प्राचार्य डॉ शमशेर सिंह हुढ्डा के नेतृत्व में नशा मुक्त युवा खेलोगे तो खिलोगे ट्रस्ट की तरफ से बहन बेटियों को मजबूत व सशक्त बनाने के लिए 2 दिवसीय आत्मरक्षा कैंप का समापन किया गया। जिसमें सैकड़ो लड़कियों ने भाग लिया और खुद की फिटनेस के पर काम करते हुए आत्मरक्षा के गुर सीखे। इस शिविर का उद्देश्य युवाओं को नशा मुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना तथा खेलकूद और सकारात्मक गतिविधियों की ओर अग्रसर करना था।

हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम

रोहतक। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) 1 सितम्बर 2025 को देशभर के पांच लाख से अधिक विद्यालयों में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इस अवसर पर करोड़ों विद्यार्थी और लाखों शिक्षक एक साथ मिलकर पांच संकल्पों का सामूहिक उच्चारण करेंगे, जिनमें विद्यालय पर गर्व, समग्र विकास, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व प्रमुख होंगे।

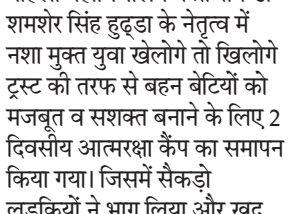

ऑनलाइन अप-स्किलिंग कार्यक्रम संपन्न

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक युग में प्रभावी अध्यापन-अधिगम हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग" विषय पर आयोजित सात दिवसीय ऑनलाइन अप-स्किलिंग कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों को नवीन प्रौद्योगिकियों, डिजिटल उपकरणों और आधुनिक अध्यापन पद्धतियों से प्रशिक्षित करना रहा।

सतर्कता : उपायुक्त ने महम में जलभराव वाली जगहों का किया निरीक्षण, बोले-लापरवाही बरती तो होगी कार्रवाई

सभी अधिकारियों को भेजनी होगी रोजाना रिपोर्ट

बाढ़ से निपटने की तैयारी में जुटा प्रशासन एसडीएम कार्यालय में बनाया कंट्रोल रूम

उपायुक्त एवं आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने जल भराव, बाढ़ और इससे संबंधित चुनौतियों का प्रभावी प्रबंधन करने के लिए सख्त हिदायतें जारी की हैं। आदेशों में संसाधनों को लेकर सभी विभागाध्यक्षों, अधीक्षण अभियंताओं व कार्यकारी अभियंताओं की व्यक्तिगत जिम्मेदारी निर्धारित की गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिला प्रशासन ने बाढ़ जैसे हालात से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। सभी अधिकारियों को बरसात की निगरानी करनी होगी। इसके अलावा एसडीएम कार्यालय में 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम बनाया गया है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने जल भराव, बाढ़ और इससे संबंधित चुनौतियों का प्रभावी प्रबंधन करने के लिए सख्त हिदायतें जारी की हैं। आदेशों में संसाधनों को लेकर सभी विभागाध्यक्षों, अधीक्षण अभियंताओं व कार्यकारी अभियंताओं की व्यक्तिगत जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। लापरवाही, देरी अथवा ढिलाई के लिए संबंधित विभागाध्यक्ष जवाबदेह होगा और उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सभी विभागाध्यक्षों समेत अधीक्षण अभियंताओं व कार्यकारी अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं कि व मशीनरी, विभागीय संसाधनों की तैनाती, संचालन व प्रदर्शन को सुनिश्चित करें। साथ ही उपायुक्त ने महम में जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण कर जल निकासी के आदेश जारी किए।

महम। महम के एक गांव में बरसाती पानी निकासी के प्रबंधों का जायजा लेते डीसी सचिन गुप्ता।

24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित रहेगा

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि जिला के प्रत्येक एसडीएम के कार्यालय पर 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित रहेगा। इसके अलावा जिला स्तर पर जिला राजस्व अधिकारी द्वारा नियंत्रण कक्ष संचालित किया जाएगा। इन सभी नियंत्रण कक्षों में समन्वय, संचार और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला स्तर पर लघु सचिवालय में बाढ़ शाखा कमरा नंबर 102 में स्थापित है और यहां के कंट्रोल रूम के फोन नंबर 01262-230401 और 01262-244151 पर कोई भी नागरिक जल भराव की सूचना दे सकता है।

कर्मचारी बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के स्टेशन नहीं छोड़ेंगे

सभी एसडीएम व जिला राजस्व अधिकारी को सभी विभागों के साथ तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। सचिन गुप्ता द्वारा जारी किए गए आदेशों में यह भी कहा गया है कि जल भराव के क्षेत्र में की गई कार्रवाई, चिन्हित बिंदुओं पर अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती और संसाधनों की स्थिति से संबंधित रोजाना रिपोर्ट संबंधित एसडीएम कार्यालय को करनी होगी। रिपोर्ट में देरी को गंभीर लापरवाही माना जाएगा। अधिकारियों और कर्मचारियों को बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के स्टेशन नहीं छोड़ेंगे।

बरसात की निगरानी अनिवार्य

आदेशों में कहा गया है कि जल भराव, बाढ़ और वर्षा जल निकासी की निरंतर निगरानी अनिवार्य है। अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी क्षेत्र उपेक्षित ना रहे। सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं कि वे संवेदनशील बिंदुओं की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेंगे। वे यह सुनिश्चित करेंगे की सभी सार्वजनिक, स्वास्थ्य, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग, नगर निकाय, पंचायत और अन्य विभागों का स्टाफ स्पष्ट जिम्मेदारी के साथ अपनी अपनी ड्यूटी पर तैनात रहे। सभी वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करेंगे। इंजीनियरिंग विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी पूर्ण जनशक्ति और मशीनरी के साथ अपने स्टेशन पर उपस्थित रहेंगे। इन अधिकारियों को नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से निरंतर संवाद बनाए रखने के भी निर्देश दिए हैं ताकि किसी भी स्थिति पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

बहलबा, सीसर खास, भैणी महाराजपुर में पानी निकासी का जायजा

महम। रविवार शाम को जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता महम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बाढ़ बचाव कार्यों को लेकर महम उपमंडल के गांव सीसर खास, भैणी महाराजपुर, बहलबा व बेडवा का निरीक्षण किया। उन्होंने कृषि भूमि से जल निकासी के कार्य को देखा और मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल निकासी के कार्य को लगातार जारी रखा जाए। उन्होंने जल निकासी को लेकर ग्रामीणों से भी बातचीत की और कहा कि जल निकासी के लिए जिला प्रशासन के संसाधनों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि आवश्यकतानुसार पाईप व पम्प सैट प्राप्त किए जा सकते हैं। इससे पहले मीडिया से बातचीत करते हुए उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि बरसाती जल निकासी व बाढ़ बचाव कार्यों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन की पूरी तैयारी है।

अतिरिक्त पंप सेट लगाए

उपायुक्त ने बताया कि आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पंप सेट भी लगाए गए हैं। जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों की बाढ़ बचाव कार्यों को लेकर ड्यूटी लगाई गई है। सभी अधिकारी व कर्मचारी सातों दिन 24 घंटे काम कर रहे हैं। किसानों के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल पर उनके नुकसान को भी दर्ज किया गया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ड्रेन नंबर-8 की विशेष निगरानी की जा रही है।

बनाए नियंत्रण कक्ष

डीसी सचिन गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जिला में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं जो सातों दिन 24 घंटे क्रियाशील है। महम उपमंडल स्तर पर बाढ़ बचाव नियंत्रण कक्ष लघु सचिवालय के कमरा नम्बर-6 में स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नम्बर-01257-233148 व सांपला उपमंडल स्तर पर एसडीएम कार्यालय के कमरा नम्बर-3 में बाढ़ बचाव नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

शहर को साफ रखने की मुहिम : कचरा केवल नगर निगम की गाड़ियों और डस्टबिन में ही डालें

स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील, निगम अधिकारियों ने खुद उठाया झाड़ू

- सभी नागरिक मिलकर रोहतक को स्वच्छता रैंकिंग में बना सकते हैं नंबर एक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर को स्वच्छता रैंकिंग में अव्वल लाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने अभियान को और तेज कर दिया है। रविवार सुबह झज्जर चुंगी क्षेत्र में वार्ड 20 के सदस्य प्रवीन कौशिक द्वारा चलाए गए विशेष सफाई अभियान में निगम के विशेष अधिकारी (स्वच्छता) प्रदीप कौशिक पहुंचे और स्थानीय नागरिकों के साथ सफाई कार्य में भाग लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर नागरिक सड़क पर कचरा डालने की बजाय केवल निगम की गाड़ियों और निर्धारित डस्टबिन का उपयोग करेंगे, तो शहर को साफ-सुथरा रखने में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि नगर निगम की ओर से नियमित रूप से कचरा संग्रहण किया जा रहा है, लेकिन यह तभी प्रभावी होगा जब नागरिक भी पूरी जिम्मेदारी निभाएंगे। सभी नागरिक मिलकर रोहतक को स्वच्छता रैंकिंग में नंबर 1 बना सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान तभी सफल होगा जब इसे जनभागीदारी का आंदोलन बनाया जाएगा। वार्ड 20 के सदस्य प्रवीन कौशिक ने कहा कि विशेष अधिकारी द्वारा स्वयं अभियान में भाग लेना एक सकारात्मक संदेश है। इससे नागरिकों को प्रेरणा मिलती है कि जब वरिष्ठ अधिकारी भी निष्ठा से सफाई कार्य में जुट सकते हैं।

मदवि में एआई की बुनियादी जानकारी दी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के फैकल्टी क्लब द्वारा रुहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज के सहयोग से बच्चों के लिए आठ सप्ताह की कार्यशाला एआई के फंडे की शुरुआत की गई। कक्षा 4 से 8 तक के छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बुनियादी जानकारी देने के उद्देश्य से यह कार्यशाला हर रविवार सुबह 10 से 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। उद्घाटन सत्र में प्रो. विनीता हुड्डा, डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल, मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने बच्चों को तकनीकी शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

त्योहार: आईटीआई ग्राउंड सरकुलर रोड में 22 सितंबर से शुरू होने वाले रामलीला महोत्सव एवं दशहरा मेले का हुआ भूमि पूजन

रामलीला के लिए 150 गुणा 50 फुट व 62 फुट ऊचा स्टेज बनाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

भगवान श्रीराम जी की आज्ञा से विजय दशमी के शुभ अवसर पर श्री रामलीलाउत्सव कमेटी द्वारा आयोजित पुरानी आईटीआई ग्राउण्ड सरकुलर रोड में 22 सितंबर से शुरू होने वाले रामलीला महोत्सव एवं दशहरा मेले का भूमि पूजन साधु संतों की छत्रछाया एवं शहर के गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा कियागया। रामलीला 22 सितंबर से लेकर 3 अक्टूबर तक राजतिलक तक चलेगी व दशहरामहोत्सव 2 अक्टूबर को मनाया जायेगा। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि समारोह के सानिध्य महामण्डलेश्वरकपिल पूरी जी महाराज जी, महामण्डलेश्वर परमानंद महाराज, महामण्डलेश्वर कर्णपुरी महाराज, महामण्डलेश्वर विश्वरानंद महाराज,महामण्डलेश्वर रघवेन्द्र भारती, बाबा सुखा शाह, मुख्य अतिथि एलपीएस बोसार्ड के डायरेक्टर समाज सेवी उद्योपगति राजेश जैन, भाजपा नेता अजयबंसल, रोहतक नगर निगम के पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, सुरेश बंसल, प्रधानसुभाष तायल एवं सभी सदस्यों ने पंडित के द्वारा विधि विधान से पूजाकरवाई व विश्व शांति यज्ञ पंडितों के द्वारा करवाई गई। रामलीला के लिये 150 गुणा 50 फुट व 62 फुट उचा स्टेज बनाया जाएगा।

रोहतक। रामलीला महोत्सव एवं दशहरा मेले के लिए अक्षरधाम मन्दिर की तर्ज पर तीन मंजिला भवन के साथ साधु संतों व श्री रामलीलाउत्सव कमेटी के सदस्य।

सांपला। ड्रेन टूटने से सैकड़ों एकड़ फसल पानी में डूबी। फोटो : हरिभूमि

ड्रेन टूटने से सैकड़ों एकड़ फसल डूबी

सांपला। समचाना के पास ड्रेन टूटने से सैकड़ों एकड़ फसल पानी में डूब गई। सिंचाई विभाग द्वारा इसे बंद करने के लिए भी कोई प्रयास नहीं किए जा रहे। इलाके में इस साल ज्यादा बारिश हुई है। जिसकी वजह से खेत खलियान जलमग्न हैं। ड्रेन भी ओवरफ्लो चल रही है। शनिवार को समचाना के पास पाकस्मा ड्रेन टूट गई। जिसकी वजह से समचाना की सैकड़ों एकड़ फसल पानी में डूब गई। किसान राजेश कुमार, मनोज आदि ने बताया कि पहले ही अधिक बारिश होने से फसल में पानी भरा हुआ था। अब ड्रेन आवरफ्लो होने से और पानी बढ़ गया। लोगों ने सिंचाई विभाग पर ड्रेन की ठीक से सफाई न करने के भी आरोप लगाए हैं। किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

लेट लतीफी परिवहन मंत्री अनिल विज ने दिए थे 15 अगस्त तक योजना शुरू करने के आदेश

बसों की लोकेशन ट्रेस कर सकेंगे यात्री

रोडवेज बसों में ट्रैकिंग सिस्टम लगाने में देरी 180 बसों में अभी तक नहीं लग पाए जीपीएस

- सभी डिपो में शुरू हो रहा है ट्रैकिंग सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

परिवहन मंत्री अनिल विज के आदेशों के बावजूद रोहतक रोडवेज डिपो बस ट्रैकिंग सिस्टम लांच नहीं कर पाया। अभी तक न बस स्टैंड पर एलसीडी लगी है और न ही सभी बसों में जीपीएस लग पाया है। डिपो में करीब 185 बसें हैं। इसके अलावा पांच बसें इलेक्ट्रिक आई हैं, जिनमें पहले से जीपीएस लगे हुए हैं। अन्य 180 बसों में जीपीएस लगाने के लिए किसी कंपनी को कांट्रेक्ट दिया जाएगा। इस सिस्टम को मोबाइल एप से जोड़ा जाएगा ताकि यात्रियों को बसों की लोकेशन की सही जानकारी मिल सके।

ढाबों पर मनमर्जी से रुकती हैं बसें

रोडवेज स्टाफ अपनी पंसद के ढाबों पर बसों को रोकते हैं। इसके अलावा कई बार होटल और स्टाफ के बीच भी तालमेल हो जाता है जिसके बाद 15 से 25 मिनट तक भी बसें होटलों, ढाबों पर खड़ी देखी जाती थी। जीपीएस लगा तो उनको ट्रैक किया जा सकेगा और स्टाफ की मनमर्जी भी नहीं चलेगी।

विगत वर्ष योजना तैयार की गई थी

परिवहन मंत्री अनिल विज ने विगत वर्ष योजना तैयार की थी। उन्होंने कहा था कि लोगों को जैसे ट्रेन और हवाई जहाज की जानकारी मिलती रहती है कि वह इस समय कहां पर है। इसी तरह बसों में सफर करने वाले यात्रियों को बसों की भी जानकारी मिलनी चाहिए कि उन्हें जिस बस में सफर करना है वह इस समय कहां पर है और कितने बजे बस अड्डा से चलेगी। बस में सीट बुकिंग कैसे होगी। हादसा हो जाए तो बस कहां मौजूद दिखाई देगी। उन्होंने कहा था कि एक ऐसी ऐप बनाई जाएगी, जिसमें बसों को ट्रैक किया जा सके। इसके अलावा बस अड्डों पर बड़ी एलसीडी लगाई जाएगी, जहां बसों की लोकेशन का पता लग सके। इससे बसों पर भी निगरानी रहेगी और उनका दुरुपयोग नहीं हो पाएगा। परिवहन मंत्री ने इस साल दोबारा आदेश जारी किए कि यह प्रोजेक्ट स्वतंत्रता दिवस पर पूरे किए जाएं।

एप से पता कर सकेंगे बस की लोकेशन

डिपो के अधिकारियों के मुताबिक हरसेक की मदद से बसों में लगाए गए जीआईएस-जीपीएस के माध्यम से बसों की ट्रैकिंग होगी। हरियाणा परिवहन निगम एक एप (मोबाइल एप्लीकेशन) तैयार कराएगा। आमजन अपने मोबाइल में एप के माध्यम से बसों का नंबर, ऑनलाइन बुकिंग, बस अब तक कहां पहुंची, यह देख सकेंगे। एप पर बस का नंबर और कहां से कहां तक जाना है यह ब्योरा भरते ही बस की लोकेशन सामने आ जाएगी। यदि बस नंबर पता नहीं है तो संबंधित रूट पर चलने वाली बस की समय सारिणी के अनुसार भी बस की लोकेशन पता किया जा सकेगा।

केवल नई बसों में है अभी जीपीएस

अभी जो नई बसें आई हैं, केवल उनमें ही जीपीएस लगा हुआ है। पुरानी बसों में जीपीएस लगाने में अभी टाइम लग सकता है। इसके अलावा डिपो परिसर में जल्द ही एलसीडी लगाने की तैयारी है। -सुरेंद्र सिवाच, वर्कशाप मैनेजर

एनआईसी भी करेगा मदद

इस योजना पर हरसेक के साथ एनआईसी (नेशनल इन्फॉर्मेशन सेंटर) भी काम करेगा। हरियाणा रोडवेज की बसों का पंजीकरण जिन जिलों में होता है वह पंजीकण नंबर भी सॉफ्टवेयर में दर्ज किए जाएंगे। इस कार्य में एनआईसी मदद करेगा।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे।

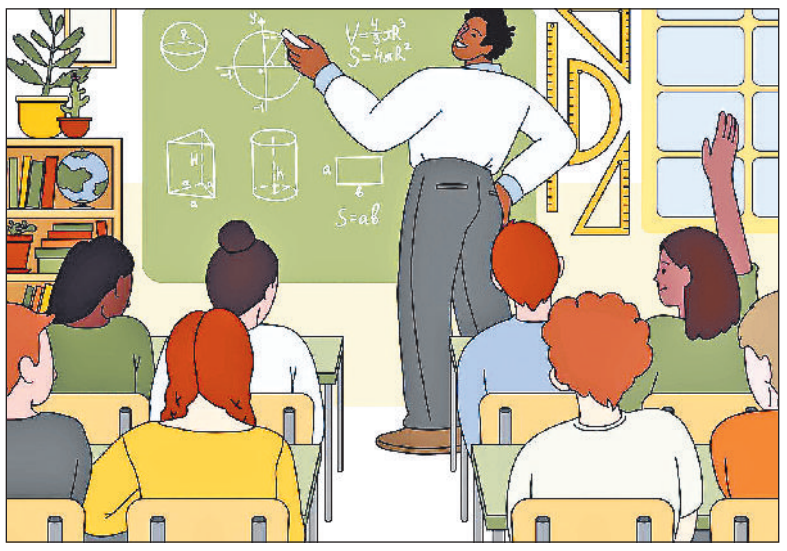

कहानी

मधुकांत

बहुत याद आए मास्टर प्रीतम पाल

अचानक रंजन को प्रिंसिपल के कमरे में बुलाया गया। वहां अपने चाचा को बैठा देख वह चौंक गया। किसी ने कुछ नहीं बताया, बस चाचा उसे अपने साथ घर ले आए। वह हैरान-परेशान था कि कोई उसे कुछ बता क्यों नहीं रहा। घर पहुंचने पर उसे पता चला कि उसके पिता गुलाब राय का हार्ट अटैक से निधन हो गया है। एक पल में सब कुछ बिखर गया। मां उससे लिपटकर रोने लगीं। अब शोरूम कैसे चलेगा? यह सवाल सामने था।

रंजन का स्कूल जाना मुमकिन नहीं था, इसलिए उसने पढ़ाई छोड़कर दुकान पर जाना शुरू कर दिया। वह मुनीम जी और कारीगर के साथ मिलकर काम करने लगा, पर गणित में कमजोर होने के कारण वह हिसाब-किताब नहीं समझ पाता था। मुनीम बहुत चालाक था। वह रंजन के सभी काम करता और धीरे-धीरे उसे शराब पीने की आदत भी डाल दी। गांव के लोग पापा पर बहुत भरोसा करते थे। वे अपनी फसल बेचकर सारी रकम उनके पास जमा कर जाते, ताकि शादी-ब्याह में गहने और कपड़े आसानी से खरीद सकें। रंजन ने इस बात पर कभी ध्यान नहीं दिया और न ही मुनीम ने उसे समझने दिया। वह आधी-अधूरी बैलेंस शीट देखकर खुश हो जाता, क्योंकि देनदारी वाला पक्ष उसे कभी दिखाया ही नहीं गया था। गणित से पैदाइशी नफरत होने के कारण वह कभी हिसाब देखता ही नहीं था, जो मुनीम बताता, वही सच मान लेता। शोरूम बनाते समय पापा ने बैंक से 50 लाख का लोन लिया था। पापा के जाने के बाद उसकी कोई किस्त जमा नहीं हुई। जब बैंक का कोर्ट नोटिस आया, तो घर में हड़कंप मच गया। दुकान में माल कम था, बाज़ार की देनदारी अलग और ऊपर से बैंक का नोटिस। रंजन पूरी रात मां के साथ चिंता में डूबा रहा। मुनीम और कारीगर भी कई दिनों से दुकान पर नहीं आ रहे थे। उसे पछतावा हुआ, 'काश उसने शुरू से हिसाब देखना शुरू कर दिया होता।' लेकिन देखता कैसे, उसे तो हिसाब का 'जमा घटा' भी नहीं आता था।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल जी की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे। पूरी रात वह रोता हुआ पश्चाताप की आग में जलता रहा। उसे अच्छी तरह याद है, जब उसके पापा गांव से शहर में आकर कारोबार बढ़ाने लगे थे। पापा की गांव में बहुत इज्जत थी। वे गहने बनवाने के लिए शहर के अपने भरोसेमंद कारीगर राजू के पास जाते थे। राजू एक बंगाली कारीगर था। दोनों साथ बैठकर बातें करते, खाना खाते और सुख-दुःख बांटते। गांव जाने के झंझट से बचने के लिए रिश्तेदारों ने भी पापा से राजू की दुकान पर मिलना शुरू कर दिया। पापा ने सोने-चांदी के छोटे आइटम वहीं रखने शुरू कर दिए, और उनकी बिक्री भी वहीं होने लगी। एक दिन दोनों ने साझेदारी में काम करने का फैसला किया। पापा का पैसा और इज्जत, और राजू की कारीगरी मिलकर काम चल निकला। धीरे-धीरे वह राजू की दुकान नहीं, बल्कि गुलाब राय सराफ की दुकान बन गई। काम इतना बढ़ गया कि पापा कई-कई दिन गांव में नहीं जा पाते। यह देखते हुए उन्होंने शहर में किराए का मकान ले लिया और रंजन का दाखिला भी शहर के स्कूल में करवा दिया। कुछ समय बाद पापा ने गांव की ज़मीन बेचकर शहर में एक मकान खरीद लिया। पापा के साथ काम करने वाले राजू कारीगर को शराब की लत थी, और वह अपनी कमाई इसी में बर्बाद कर देता था। पापा के समझाने पर भी वह नहीं मानता था। धीरे-धीरे दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने लगे। खरीदे हुए मकान को तोड़कर पापा ने उसका नया निर्माण करवाया। पहली मंजिल में शोरूम और दूसरी मंजिल में रहने के लिए घर बनाया गया।

हमारी छोटी सी दुकान अब गुलाब राय एंड संस के शोरूम में बदल गई। राजू कारीगर अपनी पुरानी दुकान पर ही काम करने लगा। उन्हीं दिनों रंजन दसवीं कक्षा में पढ़ता था। वह पढ़ाई में बहुत कमजोर था। बाकी विषयों में तो काम चल जाता, पर गणित की घंटी आते ही उसका सिर दर्द होने लगता। गणित के अध्यापक थे प्रीतम पाल। वे अपने विषय के प्रति समर्पित थे। उनकी कक्षा में कोई छात्र अनुपस्थित नहीं होता था। वे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देते थे। वे ज्यादा सज़ा नहीं देते थे, फिर भी हर छात्र उनसे डरता था। इसलिए छात्रों ने उनका नाम मास्टर पीटर पाल रख दिया था। प्रीतम पाल रोज़ होमवर्क चेक करते। जो छात्र एक दिन काम नहीं कर पाता, उसे अगले दिन दो दिन का काम करना पड़ता।

कई बार छात्र दूसरे विषयों की घंटियों में भी उनका होमवर्क करते रहते थे। वे घर पर ट्यूशन नहीं पढ़ाते थे। परीक्षा के पास स्कूल में ही बिना फीस के एक्स्ट्रा क्लास लगाते इसलिए सभी अभिभावक उनका बहुत आदर करते थे। मास्टर पीटर पाल नकल के सख्त दुश्मन थे। जिस कमरे में उनकी ड्यूटी लगती, छात्र माथा पीट लेते। कोई भी छात्र नकल करते पकड़ा जाता, तो वे उसका उत्तर काट देते थे, साथ ही उसे भी सज़ा देते थे जिसने नकल करवाई। वे हर छात्र को जानते थे। किसी कमजोर छात्र के अधिक अंक आते तो वे उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहते। यदि वह हल नहीं कर पाता, तो स्पष्ट हो जाता कि उसने नकल की है और वे उस उत्तर को काट देते थे। इसलिए घरेलू परीक्षाओं में उनके विषय का परिणाम बहुत कम आता, लेकिन बोर्ड परीक्षा में उनका परिणाम हमेशा सबसे अच्छा रहता था। रंजन रोज़ किसी न किसी बात पर उनकी पकड़ में आ जाता। या तो होमवर्क न करने पर, यदि वह किसी की कॉपी से होमवर्क टीप भी लेता, तो उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहा जाता। परीक्षाओं में उसके कम अंक आते तो पापा प्यार से समझाते, 'देख बेटा रंजन, तू हमारा इकलौता लड़का है। अगर तू ठीक से पढ़-लिख नहीं पाएगा, तो इस व्यापार को कैसे संभालेगा?' रंजन कहता, 'आप चिंता न करें, समय आने पर मैं सब संभाल लूँगा। अभी तो मेरी खाने-पीने और खेलने की उम्र है।' पापा समझाते, 'समय का भरोसा नहीं, कब अचानक आ जाए और कब हाथ से निकल जाए। बेटे, एक बात अच्छी तरह समझ ले, जो बच्चा विद्यार्थी जीवन में कठोर परिश्रम कर लेता है, उसका भविष्य सुधर जाता है और जो मौज-मस्ती में रहता है, उसका भविष्य अंधकार में डूब जाता है।' ऐसे कठिन समय में माँ बीच में आकर उसका बचाव कर लेतीं, 'बच्चा है अभी। समय आने पर सब समझ जाएगा।' और वह हँसता-कूदता खेलने निकल जाता।

तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया।

पापा की बातें उन दिनों अच्छी नहीं लगती थीं। काश उसने उन दिनों पापा की बातों को समझ लिया होता। प्रीतम पाल रंजन के पापा को अच्छी तरह जानते थे, इसलिए भी वह उसका विशेष ध्यान रखते थे। वे कहते, 'अरे रंजन, तेरे पापा जी का इतना बड़ा व्यवसाय है। अगर तू गणित नहीं सीख पाया तो अपने कारोबार को कैसे संभालेगा?' अंदर ही अंदर रंजन बुदबुदाता, 'हिसाब तो हमारे मुनीम जी करते हैं। बाकी पैसों का लेन-देन तो मैं कर ही लूँगा', और मास्टर पीटर पाल से पीछा छूटने का इंतजार करता। समान स्वभाव वाले छात्रों में गहरी दोस्ती हो जाती है। रंजन, सोनी, और जॉनी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे थे। गणित में तीनों का अंडा गोल था। तीनों रोज़ भगवान से दुआ करते, 'हे भगवान, मास्टर पीटर पाल को ज्वर चढ़ जाए, उनकी टांग टूट जाए या उनका तबादला हो जाए।' लेकिन भगवान ने उनकी प्रार्थना कभी नहीं सुनी।

"यार, कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा," सोनी ने कहा।"बात तो ठीक है, रंजन। इस काम को तू ही कर सकता है।"

"सोनी, मैं नहीं कर सकता क्योंकि मास्टर जी मेरे पापा को अच्छी तरह जानते हैं।"

"तो जॉनी, तुम करो। बस एक बार बेहोश होकर कक्षा में गिर जाना। फिर सारे स्कूल में हंगामा हम कर देंगे।"

"ठीक है, मैं ही बकरा बनूँगा, पर कोई गड़बड़ हो तो तुम सब संभाल लेना।"

"तू चिंता मत कर," तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया, 'मास्टर प्रीतम पाल की पिटाई से जॉनी बेहोश हो गया!' स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। प्रीतम पाल से ईर्ष्या करने वाले अध्यापक और उनसे सताए गए छात्रों ने मिलकर हंगामा कर दिया। कुछ अभिभावक भी स्कूल में घुस आए। प्रिंसिपल के हाथ से व्यवस्था बाहर हो गई, तो उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस ने आकर मामला संभाला। जॉनी को अस्पताल भेजा गया और मास्टर प्रीतम पाल को पुलिस की गाड़ी में बिठाकर उनके घर भेज दिया गया।

शिक्षा विभाग में प्रीतम पाल की बड़ी इज्जत थी, इसलिए उन पर कोई खास कार्रवाई तो नहीं हुई, पर सज़ा के रूप में उनका तबादला कर दिया गया। सबसे ज़्यादा खुशी रंजन और उसके दोस्तों को हुई। उसी दिन से वह भूल गया कि उसे गणित की परीक्षा भी देनी है। आज जब सब कुछ बर्बाद हो गया, तब उसे गणित के महत्व का पता चला। अपनी गलतियों को याद करके वह फूट-फूट कर रोने लगा। माँ ने उसके आँसू पोंछे, तो वह फफक पड़ा, "माँ, हमने अपने गणित के अध्यापक प्रीतम पाल के साथ जो दुर्व्यवहार किया था, यह सब उसी का नतीजा है।"

"बेटे, जो समय हाथ से निकल गया, उस पर पछतावा करने से क्या फायदा? तेरे पापा भी तुझे मेहनत करने को कहते थे, तो मैं तुम्हारा गलत साथ देती थी। इसमें मेरा भी दोष है। खैर, बेटा, अब हम दोनों मिलकर मेहनत करेंगे और सब ठीक कर लेंगे।"अगले दिन माँ ने गुलाब राय के एक पुराने मित्र को बुलाया। उन्होंने दुकान के हिसाब की जाँच की और बताया, "भाभी, मुनीम और कारीगर ने मिलकर सब धोखा किया है। बेटे रंजन, फिलहाल मैं अपनी दुकान से एक कारीगर भेज देता हूँ। आखिर काम तो तुम्हें ही संभालना पड़ेगा। अभी तो मैं भी हर महीने आकर हिसाब चेक कर जाऊँगा।"

मां ने दुकान की इज्जत बचाने के लिए अपने सभी गहने निकाल कर दे दिए। दुकान की साख बच गई। रंजन ने एक पुराने ग्रुप फोटो से काटकर अपने गणित अध्यापक प्रीतम पाल का चित्र अपने पूजा घर में रख लिया और उसी दिन से दुकान का सारा हिसाब खुद करने लगा।

लघुकथा

डॉ. अंजना गर्ग

घर का भोज

घुमंतू आज फिर पुराने परिचय की गली में जा पहुँचा। सुमन की मुस्कुराहट अब भी वही थी, पर आँगन की रंगत और आत्मा जैसे फीकी पड़ गई थी।

'अरे घुमंतू भैया! आओ, देखो जरा आजकल की मेरी सफाई मुहिम कैसी चल रही है!'

सुमन ने जैसे स्वागत नहीं, एक समय के युगांत का मंजर दिखाया हो। बरामदे में ढेर सारी क्रॉकरी, चीनी मिट्टी के प्लेट, बेल्जियम के गिलास, तांबे की थालियाँ, चुपचाप अंतिम विदाई के इंतजार में थीं।

'इतना सब बाहर क्यों रख रखा है?'

घुमंतू ने पूछा तो सुमन की आवाज में एक थकी हुई मुस्कान तैर गई।

'अब किसके लिए रखूं? कौन आता है अब घर? जो भी आता है, होटल में ही ले जाते हैं। पहले लोग कहते थे – 'आपके घर जैसा खाना कहीं नहीं मिला', अब मेहमान के आते ही पूछते हैं – 'किस होटल में चलें?' अब घर का भोज बोझ लगता है।'

घुमंतू चुप रहा। भीतर जाकर देखा, पुराने भारी पतीले, देगचियाँ, पूड़ियों के लिए बड़ी कढ़ाही, यहाँ तक कि अचार डालने वाले मटके भी कोने में सिसक रहे थे।

'इनका क्या कर रही हो?'

'दे रही हूँ कामवालियों को। अब ना कोई कथा होती है, ना कीर्तन, ना तीज, ना त्योहार। न कोई बिरादरी का भोज, न रसोई की रौनक। अब हर उत्सव फार्महाउस में, हर रस्म होटल में।'

घुमंतू की आंखों के सामने एक दृश्य तैर गया- चूल्हे पर चढ़ी खीर, पिछवाड़े में सूखते पापड़, और गेट पर खड़ी अम्मा कहती,

'ठहरो बेटा, पहले कुछ खा लो।' अब कोई नहीं कहता।

कविता

मनोज कुमार वशिष्ठ

बचपन

कितना अबोध होता है बचपन
कोमल सा, निर्मल सा
बेरंग पावन जल सा
अबोध सा, अन्जान सा
बचपन होता है निश्छल सा
कितना अबोध होता है बचपन ?

कितना सुन्दर होता है बचपन
जैसे हो पुष्पों का उपवन
व्योमपुंज हो उठता कम्पित
जब करता है ये क्रन्दन
कितना अबोध होता है बचपन ?

बचपन में होती है कितनी मधुरता
जब सावन में वर्षा का पानी बरसता
मन कागज की नाव पर सवार
कल्पित संसार को करता पार
कितना अबोध होता है बचपन ?

कैसा अद्भुत होता है बचपन
ना कपट, ना उलझन
भ्रष्ट राजनीति के जग में नहीं
प्रकृति के साथ खेलता हुआ
कितना अबोध होता है बचपन ?

उर नर-निर्माता के सिंहासन पर
अगर उसकी जगह रमैर होता
इस जग में बच्चों की भांति
हर जन को अबोध बना देता
कितना अबोध होता है बचपन ?

कविता

राज ख्यालिया

भोलेनाथ शरण में आए

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ,भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

जटाजूट से बहती गंगा,
शशि मुकुट पर दीप जले।
त्रिनयन में तेज समाया,
हर अंधियारा क्षण में पले॥
स्मरण करूँ मैं नाम तुम्हारा,
हर साँस बने उजियारा॥

डमरू की वो धुन सुहानी,
बजती अंतरमन में मेरे।
भस्म रमाये तन पे जो,
वो सत्य बसे हैं हृदय में मेरे॥
नंदी की गूंज बुलाती,
भोले अब देर न कीजे॥

काल भी डरे जिनके आगे,
मृत्यु भी जिनसे घबराए।
विष पिया, सृष्टि को बचाया,
करुणा का अमृत लुटाए॥
तेरे चरणों में ही जीवन,
तुझ बिन सब शून्य हो जाये॥

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार राजपाल यादव का कहना है कि लेखकों को राष्ट्रवाद को मज़बूत करने, देश की अस्मिता व गौरव को क़ायम रखने के लिए निर्भीकतापूर्वक कलम चलानी होगी। इसके लिए आपसी ईर्ष्या, जातिवाद और भाई भतीजावाद को छोड़कर कंधे से कंधा मिलाकर देशहित में काम करने की आवश्यकता है। वहीं, युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति प्रेरित करके उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश देना होगा।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य सृजन से मातृ भाषा की सच्ची सेवा संभव : राजपाल यादव 'राज'

साहित्य के क्षेत्र में लेखन करने वाले साहित्यकार विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज, संस्कृति और सभ्यता को जीवंत रखने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही रचनाकारों में एक हैं हरियाणा के राजपाल यादव, जिन्होंने सरकारी नौकरी के दौरान दूसरे प्रदेशों में रहते हुए भी अपनी काव्य साधना से देशभर में हरियाणा राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने साहित्य साधना के दौरान हिंदी भाषा के प्रसार-प्रचार के लिए एक अनूठे हिंदी सेवा रचनाकार के रुप में पहचान बनाई है और सेवानिवृत्ति के बाद भी साहित्य सृजन में जुटे हुए हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में उन्होंने अपने साहित्यक सफर के बारे में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य सृजन के माध्यम से मातृभाषा की सच्ची सेवा करना संभव है।

हरियाणा के वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव का जन्म 19 फरवरी 1960 को रेवाड़ी जिले के नाहड़ खण्ड क्षेत्र के गांव जुड्डी में एक किसान परिवार में प्रभाती देवी तथा पिता रिसाल सिंह के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई साहित्यिक माहौल नहीं था और न ही परिवार में कोई साहित्यिक रुचि वाला सदस्य रहा, लेकिन उनके पिता गांव के सबसे शिक्षित पुरुषों में शामिल थे, जिनके गुण उनमें आना स्वाभाविक था। उनके पिता भारतीय सेना की एजुकेशन कोर में अधिकारी रहे। उनका बचपन गांव में ही बीता और प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही हुई और बाद में वह पिता की पोस्टिंग स्थल नसीराबाद, दिल्ली, झाँसी और जोधपुर भी रहे। इनकी स्कूली शिक्षा नसीराबाद व झाँसी में हुई, फिर उन्होंने उच्च शिक्षा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से हासिल की। जबकि स्नातकोत्तर की डिग्री उदयपुर विश्वविद्यालय राजस्थान प्रथम श्रेणी में हासिल की और कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में द्वितीय स्थान पर रहे। बकौल राजपाल यादव राज, उनके साहित्यिक सफ़र की शुरुआत कॉलेज के ज़माने में ही हो गई थी, जब उन्होंने दो कहानियाँ 'बड़ी बहू' और 'मंझली बहू' शीर्षक से लिखी, जो कॉलेज की वार्षिक पत्रिका में प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। सरकारी सेवा में आने के बाद उनके साहित्य सफर में नया मोड़ उस समय आया, जबकि कारगिल युद्ध के दौरान उनकी पोस्टिंग धनबाद (झारखंड) में थी। उन्होंने उस समय ओज की रचनाएँ लिखीं, जो स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से छपती थीं। उसके बाद ही वर्ष 2001 में उनका प्रथम काव्य संग्रह 'आँच न आने देंगे' प्रकाशित हुआ। धनबाद में सरकारी महारत्न संस्थान कोल इंडिया लि. की अनुसंगी कंपनी भारत कोकिंग कोल लि. के महाप्रबंधक (कार्मिक एवं राजभाषा) के पद पर रहते हुए उन्होंने सरकारी विभागों व कंपनी की सरकारी पत्रिकाओं के संपादन का दायित्व निभाया तथा हिंदी सप्ताह व पखवाड़े से जुड़े कार्यक्रमों का जीवंत संयोजन किया। वहीं उन्होंने सैकड़ों सरकारी हिंदी कार्यशालाओं में व्याख्यान व प्रशिक्षण दिया है। वह कवि सम्मेलनों का संचालन व अध्यक्षता करते हुए अनेक साहित्यिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। वह गद्य और पद्य की सभी विधाओं में लेखन करते आ रहे हैं यानी गीत ग़ज़ल दोहे मुक्तक माहिया छंद हाइकु हास्य-व्यंग्य लघुकथा आदि विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। उनका वीर रस की रचनाओं पर अधिक फोकस रहता है। वहीं हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कई गीत, दोहे, मुक्तक आदि विधाओं में रचनाएं लिखी हैं और हरियाणा सरकार की साहित्यिक पत्रिका हरिगंधा में उनके दोहे और हरियाणवी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने हिंदी सचिवालय मारीशस, आबू धाबी दुबई तथा यूएसए में कई बार काव्य पाठ किया और सम्मान हासिल किया। वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव 'राज' का आधुनिक युग में साहित्य के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि आज साहित्य दोराहे पर खड़ा है, जहाँ एक तरफ़ प्रिंट मीडिया, तो दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया है। वहीं इस इंटरनेट व डिजिटल युग में पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने वाले पाठक कम हो रहे हैं, किंतु साहित्य आज भी सामाजिक जागरूकता पैदा करने कुरीतियां समाप्त करने और निरंकुश होती सत्ता को ललकारने, शोषक का विरोध करने और शोषित को सहारा देने का कार्य कर रहा है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से काव्य संग्रह-आँच न आने देंगे, आगत का स्वागत, कविताओं में कोल इंडिया और हम, एक और दस्तक, तथा अभी थका नहीं हूँ मैं शामिल हैं। इसके अलावा उनके 32 साझा काव्य संग्रह भी प्रकाशित हुए हैं। काव्य जगत की प्रथम कॉफ़ी टेबल बुक 'शब्दों के सारथी' एवं एक विश्व हाइकु कोश में भी उनकी सहभागिता रही। हरियाणा साहित्य अकादमी की पत्रिका हरिगंधा सहित अनेक पत्र-पत्रिकाओं में समय-समय पर रचनाएँ प्रकाशित हुई हैं।

राजपाल यादव 'राज'

पुरस्कार व सम्मान

राजपाल यादव को हिंदी साहित्य शिखर मानद उपाधि सम्मान, भारतेंदु राजभाषा साहित्य शिरोमणि सम्मान, हिंदी साहित्य भूषण सम्मान, राष्ट्र गौरव साहित्य सम्मान, एकलव्यम साहित्य सम्मान, शान-ए-अदब सम्मान, काव्य श्री सम्मान, हिमालयन रत्न सृजन सम्मान, राष्ट्रीय एकलव्यम गौरव सम्मान, हिमालयन भाषा सारथी सम्मान, वात्सल्य गौरव सम्मान, शब्द सारथी सम्मान, देवप्रभा साहित्य सम्मान, संत तुलसीदास साहित्य सम्मान, संत कबीर सम्मान, शंकर दयाल सिंह प्रतिभा सम्मान एवं साहित्य शिल्पी सम्मान से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : राजपाल यादव 'राज'
जन्मतिथि : 19 फरवरी, 1960
जन्म स्थान : गांव जुड्डी, रेवाड़ी (हरियाणा)
शिक्षा: स्नाकतोत्तर, एलएलबी
संप्रति: लेखक, साहित्यकार, वरिष्ठ कवि एवं सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (बीसीसीएल, धनबाद)

'छोटी सी दुनिया' का दायरा बहुत बड़ा

पुस्तक : छोटी सी दुनिया
लेखक : ज्ञान प्रकाश विवेक
मूल्य : 425/-रुपये
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

नवरत्न

कुछ किताबें महज़ किताबें ही नहीं होती, वो किताब लगती भर हैं, वो कुछ और होती हैं। जिंदगी या फिर जिंदगी से भी बड़ी..। ज्ञान प्रकाश विवेक के कहानी संग्रह 'छोटी सी दुनिया' में यूं तो बारह कहानियां हैं, लेकिन एक-एक कहानी इतने बड़े स्पेस में कही गई है कि कुछ भी कहते नहीं बनता। यूं कहें कि ये कहानियां बारह दुनियाएं हैं... एक-एक दुनिया.. एकदम जुदा... एक-एक दुनिया एकदम अलहदा। एक और खास बात कि कहानियों का वॉल्यूम बहुत ही डाउन है और बात का वॉल्यूम जितना ही कम होता है, बात उतनी ही गहरे तक जाती है। चीखती, दहाड़ती कहानियों पर तो खूब चीखा दहाड़ा जा सकता है लेकिन यहां तो गहरा मौन और सन्नाटा पसरा पड़ा है। ताज्जुब होता है कि भाषा में मौन को भी कहा जा सकता है। लंबे समय तक एकांत और चुप्पी से ही शायद यह कला विकसित होती होगी। असल में भाषा की भी अपनी सीमाएं हैं। जब बारीक कहना होता है तो शब्द हाथ खड़े कर देते हैं। फिर लेखक निजी अनुभव और प्रतीकों का इस्तेमाल करता है। कहानियों में जगह-जगह प्रतीकात्मकता बिखरी पड़ी है और यही प्रतीकात्मकता कहानियों की ताकत है। मानवीकरण की नाव में प्रतीकों के फूल... पाठक की अंतस चेतना को ऊपर ले आते हैं और वाचाल मन दुम दबाकर भाग जाता है। एक गहरे आत्मावलोकन से गुजर कर पाठक गहरे आत्मालोचन से गुजरता है और यही आत्म आलोचन उसकी आत्मा को संतुष्टि प्रदान करता है। 'खत' कहानी का एक वाकया देखें...

'याद'... जैसे जिंदगी के बंद कमरे में दर्द की अगरबत्ती जल रही हो। मैं बंद कमरे में हूं अकेला ..अकेला और चुप। मैं और मेरे साथ निहत्थी खामोशी। मैं और मेरे साथ मेरी उंगली पड़कर खड़ा मेरा साया, जो दिखाई नहीं देता लेकिन वह है जरूर... मैं उठकर खिड़की तक आया हूं। आसमान खाली है मेरी तरह। वक्त की खुदगर्ज चील उड़ कर जा रही है। उसकी चोंच में फड़फड़ाता लम्हा होगा! किसी जिंदा परिंदे जैसा। आसमान का चेहरा और मेरा चेहरा दोनों एक जैसे नजर आते हैं। शायद आसमान भी उदास है मेरी तरह। ऐसा लगता है वह अपनी किसी कहकशां को ढूंढ रहा है जैसे कि मैं। सुधि पाठकों से विनम्र निवेदन की कहानी पढ़ने में यदि मजा आता है तो ये कहानियां जरूर पढ़ें वरना चूक जाएंगे ....और ज्ञान प्रकाश विवेक के लिए तो दुआ ही कर सकते हैं कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें। वाणी प्रकाशन को ढेरों शुभकामनाएं एक बेहतरीन प्रकाशन के लिए ...।

खबर संक्षेप

स्वामी आत्मानंद जयंती पर में होगा कार्यक्रम

रोहतक। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक स्वामी आत्मानंद की जयंती पर रुपया चौक रोहतक के समीप एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर रविवार को कार्यक्रम स्थल पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जयंती कार्यक्रम स्वामी दयानंद जी के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। बैठक में एक ईंट आत्मा के नाम का नारा भी दिया गया। बैठक में स्वामी आत्मानंद ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त एचसीएस अधिकारी अमरजीत सिंह सोलंकी ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी और दलित वर्ग में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित समाज सुधारक स्वामी आत्मानंद को याद करने के लिए रोहतक में उनकी जयंती मनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि स्वामी आत्मानंद एक महान समाज सुधारक और शिक्षाविद थे।

सोनी समाज ने आबादी के हिसाब से मांगी हिस्सेदारी

रोहतक। हरियाणा स्वर्णकार समाज के कल्याण, उत्थान, अधिकार, सुरक्षा, संगठन, कारोबार एवं अन्य मुद्दों को लेकर एक होटल में राज्य स्तरीय बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता स्वर्णकार सेवा संघ हरियाणा के नवनियुक्त राज्य प्रधान जोगेन्द्र वर्मा एवं बैठक सभापति समाज सेवी कैलाश सोनी ने की। बैठक में अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ के कार्यकारी अध्यक्ष जयपाल लाम्बा, स्वर्णकार संघ के प्रदेश महासचिव गुरदीपसिंह चड्ढा, लोक सम्पर्क विभाग के रिटायर्ड डीआईपीआरओ सुरेन्द्र कुमार वर्मा, समाज सेवी पूर्णमल वर्मा, दयानन्द सोनी नारनौलिया, लखीराम सोनी, पुरूषोतम सोनी बडाला, राजेन्द्र सोनी, रामनिवास सोनी बेलरखां, राजकुमार लाम्बा महम, मनोज भल्ला करनाल, सुरेश सोनी दादरी, इंजि वेदप्रकाश सोनी, रमेश भामा, महेन्द्र सोनी हिसार, नरेश वर्मा जींद, सुरेन्द्रपाल एवं सुरेन्द्र वर्मा रोहतक, सुन्दर सिंह शीलवंत एवं सुभाष भिवानी, राजेश सोनी फतेहबाद, सुरेश कैथल आदि रहे।

केंद्र सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनीं पीएम मोदी के मन की बात

मन की बात का यह कार्यक्रम न केवल देशवासियों को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करता है

सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाएं लोगों तक पहुंचे इसके लिए कार्यकर्ता लोगों को जागरूक करें और सहयोग करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। सैमाण गांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनते भाजपा नेता महंत सतीश दास व कार्यकर्ता।

रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सैमाण गांव के सतगुरु मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 125वां संस्करण सुना। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भाजपा नेता एवं जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य महंत सतीश दास ने कहा कि सभी कार्यकर्ता संगठन की मजबूती के लिए कार्य करें। एकजुट होकर विरोधियों की चालों को कामयाब न होने दें। आम व जरूरतमंद लोगों की मदद करें। सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाएं लोग तक पहुंचे, इसके लिए कार्यकर्ता लोगों को जागरूक करें और उनका सहयोग करें।

जानकारी के अभाव में कई बार जरूरतमंद व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पाता। महंत सतीश दास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का यह कार्यक्रम न केवल देशवासियों को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करता है, बल्कि समाज सेवा, नवाचार, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के पथ पर हमें नई ऊर्जा व दिशा भी प्रदान करता है। प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए प्रेरणादायक विचार प्रत्येक नागरिक में सकारात्मक परिवर्तन लाने की भावना जागृत करते हैं। इस मौके पर जयप्रकाश गोयल, सुरेश शर्मा, नरेश त्यागी, लीलू, सुषमा, बिमला, अमन बहमनिया, रामअवतार रोहिल्ला, सुमेर सिवाच, पूर्व सरपंच जयभगवान, धर्मबीर, अमीर सिंह, अमित व सुभाष समेत कई पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

17 लाख रुपये की लागत से होगा गली का निर्माण

महंत सतीश दास ने बहलबा में किया विकास कार्यों का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

भाजपा नेता महंत सतीश दास ने रविवार को बहलबा गांव में विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया। महंत सतीश दास और भाजपा महम मंडल के प्रधान अमित जांगड़ा ने 17 लाख रुपए की लागत से बहलबा खास ग्राम पंचायत में गली निर्माण कार्य की नारियल फोड़कर शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने कई विकास कार्यों की नींव भी रखी। महंत सतीश दास ने कहा कि राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा महम हलके में जगह जगह विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। अब तक वे इलाके में करोड़ों रुपए के विकास कार्य करवा चुके हैं। ग्रामीणों की मांग पर महंत सतीश दास ने गांव की चौपाल में शौचालय बनाने, बिजली फीटिंग करवाने और ग्रील लगवाने की घोषणा की। महंत सतीश दास ने ग्रामीणों से कहा कि पंचायत समिति महम की ओर से कल से ही मिस्त्री भेजकर काम शुरू करवा दिया जाएगा। इस मौके पर प्रवीन खत्री, जस्सू नाई, अंग्रेज राठी, मंदीप शर्मा, अनिल जांगड़ा व जस्सू राठी समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

महम। बहलबा गांव में भाजपा नेता महंत सतीश दास का फूल माला पहनाकर स्वागत करते ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

महाआरती और केक काटकर मनाया गया बप्पा का जन्म महोत्सव

रोहतक। श्री 78 संघ परिवार एवं दुर्गा भवन मंदिर के सहयोग से चल रहे 17वें गणेश महोत्सव का पांचवां दिन भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। दिनभर चले आयोजनों में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर गणपति महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। दोपहर में राधा अष्टमी के अवसर पर कढ़ी-चावल का भंडारा आयोजित किया गया। इस दौरान मंदिर प्रांगण व पंडाल को रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया, जिससे वातावरण और भी उल्लासपूर्ण हो गया। संध्या को महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें शहरभर से आए भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति राजेश जैन ने पंडाल में पहुंचकर गणपति महाराज की आरती की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत बप्पा का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास से मनाते हुए केक काटा गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हांडी प्रतियोगिता, बच्चों का डांस कंपटीशन और डांडिया नाइट का आयोजन किया गया, जिसने माहौल को और भी मनोरंजक बना दिया। शहर के कोने-कोने से आए श्रद्धालु इन कार्यक्रमों में शामिल होकर भक्तिभाव और आनंद में डूबे नजर आए।

ज्योति चौहान ने प्रस्तुत किए भजन, बच्चों ने किया नृत्य

गणपति उत्सव में भजन संध्या और नृत्य से किया सम्मोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। भजन संध्या में आनंद लेते भक्तजन। *फोटो : हरिभूमि*

वैदिक सेवा ट्रस्ट द्वारा मॉडल टाउन कम्युनिटी सेंटर में चल रहे ग्यारहवें गणपति उत्सव के पांचवे दिन रविवार को भजन संध्या और नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आचार्य धर्मबीर प्रसाद वेदपाठी और आचार्य देव कृष्ण शौनक के सान्निध्य में संपन्न हुआ। ट्रस्ट के महिला मंडल की ओर से बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें प्रतिभागी बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। विजेताओं को ट्रस्ट की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए।

सायं साढ़े 7 बजे गणपति की आरती आचार्य विनोद कृष्ण ने की। इसके बाद रात 8 बजे से प्रसिद्ध भजन गायिका ज्योति चौहान ने अपने सुमधुर कंठ से भजनों की प्रस्तुति दी। उनके गणपति आराधना के भजनों ने श्रद्धालुओं को भक्तिभाव से सराबोर कर दिया। भजन संध्या के पश्चात सभी भक्तों को गणपति का प्रसाद वितरित किया गया। ट्रस्ट ने बताया कि 1 सितंबर को सायं 8 बजे से भजन गायक जतिन जिंदल गणपति बप्पा का गुणगान करेंगे। इस अवसर पर आचार्य विनोद कृष्ण, आदीश जैन, संजय गुप्ता, प्रमोद अग्रवाल, परविंदर मदान, मनीष जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति और भक्त उपस्थित रहे।

बैठक में सरकार से की गईं कई मांगे

देश की जीडीपी को मजबूत बनाने में व्यापारी वर्ग की सबसे बड़ी भूमिका : अनिल भाटिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। हरियाणा उद्योग व्यापार हित मण्डल की बैठक में मौजूद पदाधिकारी।

हरियाणा उद्योग व्यापार हित मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष अनिल भाटिया ने कहा कि आज पूरे विश्व में व्यापार के महत्व पर चर्चा हो रही है और यह सिद्ध हो चुका है कि किसी भी देश की आर्थिक स्थिति व जीडीपी को मजबूत बनाने में व्यापारी वर्ग की सबसे बड़ी भूमिका होती है। स्थानीय सर्विस क्लब में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश और प्रदेश में व्यापारी एवं उद्योगपति शोषण का शिकार हो रहे हैं। बिना भ्रष्टाचार के न तो बिजली का कनेक्शन मिलता है और न ही जीएसटी नंबर।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अनिल भाटिया ने सभी व्यापरियों को आह्वान किया कि अब व्यापारी जागरूक होकर अपनी आवाज बुलंद करे।

- देश व प्रदेश के व्यापारियों के शोषण का लगाया आरोप

सभी व्यापारी एकजुट होकर संगठन को मजबूत करे ताकि व्यापारी सम्मानपूर्वक और निडर होकर अपना व्यापार कर सके। इस बैठक में व्यापारियों ने अपने-अपने सुझाव रखे। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष नन्द कपूर, प्रदेश महामंत्री जोगेन्द्र सैनी, कैमिस्ट एसोसिएशन रोहतक के प्रधान सतीश कत्याल, अनिल बजाज, रामजीदास मिगलानी, देवेंद्र भारत, योगेश मनचंदा, संजय मल्होत्रा, सोमनाथ भुटियानी, सुरेन्द्र पुनियानी, हरीश किनरा, सुरेन्द्र, दर्शनलाल चुघ सहित अनेक व्यापारीगण उपस्थित रहे।

सरकार व्यपपारियों को विश्वास में लेकर काम करे

प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी सपने को अधिकारी व कर्मचारी पूरा नहीं होने देना चाहते। अनिल भाटिया ने कहा कि अब समय आ गया है जब सरकार को व्यापारी संगठनों को विश्वास में लेकर, नियमों का सरलीकरण कर, उद्योग-व्यापार के अनुकूल माहौल तैयार करना चाहिए। उन्होंने व्यापारी वर्ग से आह्वान किया कि वे भयमुक्त होकर संगठित हों और अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज उठाएं। उन्होंने यह भी कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था बदहाल है, करों से एकत्रित धन का उचित उपयोग नहीं हो रहा है, और अपराधों पर नियंत्रण करने में पुलिस प्रशासन असफल हो रहा है, जिससे व्यापारी वर्ग भयभीत है।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- पर्व के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म का दिन, की पूजा अर्चना

रोहतक। पूजा अर्चना करते भक्तजन। *फोटो : हरिभूमि*

सराय मौहल्ला में स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म का दिन श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना, दस लक्षण पूजन व विधान कर मनाया। श्रीपुष्पदंत भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया और 11 किलों का मोक्ष कल्याणक का लड्डू सभी श्रद्धालुओं ने चढ़ाया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया मंदिर में जलाभिषेक एवं महाशांति धारा समाज सेवी संजय जैन व राजीव जैन ने परिवार सहित की। पारस नाथ के जयकारों से सारा पंडाल झूम उठा। इस अवसर पर राकेश अठघड़ा, कुणाल जैन, संजय जैन, शलेष जैन, विनोद जैन, गौतम जैन, मनोज जैन, राजीव जैन नानक, विकास दलाल, अतुल जैन, रोहित जैन, सुरेन्द्र जैन, राकेश जैन, अनिल जैन, प्रभाष जैन, सुनील जैन, राजेश जैन डीएलएफ आदि शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- महिलाओं और पुरुषों को दी गई विस्तृत जानकारी
- स्वास्थ्य कर्मियों और आशा वर्कर्स ने लिया हिस्सा

पीएचसी बालन्द के अंतर्गत ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' कार्यक्रम के तहत विशेष जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का नेतृत्व चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. अंजु (एमओ) ने किया। रैली में ग्रामीणों को बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा के महत्व के बारे में संदेश दिया गया।

डॉ. अंजु ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों को शिक्षा के अवसर देना समाज की प्रगति का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि जिस परिवार और समाज में बेटियों को समान अधिकार दिए जाते हैं, वहां विकास की गति दोगुनी होती है। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौजूद रही, जिसमें मनोज कुमार (हेल्थ इंस्पेक्टर), अनीता रानी (एलएचवी) सहित एमपीएस (मेल व फीमेल), सभी आशा वर्कर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुए। रैली में शामिल सभी प्रतिभागियों ने पूरे गांव में नारे लगाकर लोगों को बेटियों के सम्मान और शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

रोटरी क्लब रोहतक सफायर, एलपीएस बोसार्ड के संयुक्त तत्वाधान में पौधरोपण

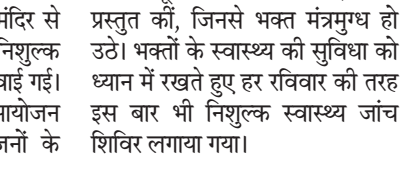

रोहतक। रोटरी क्लब रोहतक सफायर, एलपीएस बोसार्ड के संयुक्त तत्वाधान मेंविशाल पौधरोपण अभियान के तहत सांपला में स्थित उत्तम धर्मकांटा के पासदेवराज फार्म हाउस में 58 पोधे लगाए। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि पौधरोपण में क्लब के काफी संख्या में सदस्यों ने भाग लेकर पौधारोपण किया। पौधारोपण में मुख्य अतिथि समाज सेवी उद्योगपति राजेश जैन, रोटरी क्लब रोहतक सफायर के प्रधान विजय तायल, एसिस्टेंट गर्वनर विनोद जैन, सचिव नीतिन, कोषाध्यक्ष विकास कंसल, प्रोजेक्ट चेयरमैन देवराज, सह चेयरमैन संजय गोयल, राजीव जैन शामिल हुए। उन्होंने बालम, खीरा, अमरूद, कनेर, आंवला, चीड़ के पौधे 12 फुट लम्बे लगाकर फार्म हाउस के वातावरण को स्वच्छ किया ताकि सभी को स्वच्छ वातावरण मिल सके और आक्सीजन वाली हवा में सास ले सके। पेड़ों की देखरेख व पानी देने कीजिम्मेवारी फार्म हाउस के संचालन व सदस्यों ने ली।राजेश जैन ने कहा कि हमें अपने जन्म दिवस पर पर पौधे लगाने चाहिए और दूसरों को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। पौधे है तो हमारा जीवन है पौधों के बिना हमारा जीवन असंभव है।

श्रीबालाजी धाम डोभ पहुंची पैदल ध्वजा यात्रा, हुआ भव्य संकीर्तन व भंडारा

- हर रविवार भक्तों के लिए पैदल यात्रा, संकीर्तन और निशुल्क स्वास्थ्य जाच शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पैदल ध्वजा यात्रा में भाग लेते श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

भिवानी रोड स्थित श्रीबालाजी धाम, गांव डोभ में रविवार को 52वीं पैदल ध्वजा यात्रा पहुंची। धाम के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि यह यात्रा प्रत्येक रविवार सुबह साढ़े 8 बजे रोहतक स्थित दुर्गा भवन मंदिर, भिवानी स्टैंड से प्रारंभ होती है। यात्रा की शुरुआत मंदिर परिसर में प्रधान द्वारा ज्योत प्रज्वलित कर की गई। भक्तों ने हाथों में ध्वज थामे ''जय श्रीराम'' के जयकारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक यात्रा पूरी की। रास्ते में भक्तों के लिए एक ट्रैक्टर कंपनी की ओर से फल वितरण की व्यवस्था की गई, जबकि मंदिर से लौटने वाले श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क ऑटो की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। धाम पहुंचने पर संकीर्तन का आयोजन हुआ। जिसमें सुंदर-सुंदर भजनों के माध्यम से बालाजी महाराज की महिमा का गुणगान किया गया। संकीर्तन के दौरान रिंकू महादेव ने आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं, जिनसे भक्त मंत्रमुग्ध हो उठे। भक्तों के स्वास्थ्य की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर रविवार की तरह इस बार भी निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

RADHA SWAMI NURSING COLLEGE
(Recognised/Affiliated by Haryana Govt/HN&NMC/INC)
Approved by NIILM University
VPO Kharkara, Distt. Rohtak M. 9812072127
Admission & Guidance (Session 2025-26)
हरियाणा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोर्स करने के लिए संपर्क करें
Course | Duration | Eligibility
GNM (Nursing Officer) | 3 Years | 12th Any Stream
UNIVERSITY COURSE
X-Ray Technician | Physiotherapy | Fire Safety & Technician
Radiology & Imaging Technology | Medical Laboratory Technician
And many others Diploma/B.SC/M.SC Degree Course offered by University.
Rohtak Off.: Radha Swami Medical Institute
Shastri Nagar Hisar Road Bye Pass, Rohtak M. 9812072127

ADARSH COLLEGE OF EDUCATION
Adarsh School Of Nursing
MADINA, ROHTAK
Affiliated to Haryana Govt. HNRC & INC
ADMISSION OPEN
ANM 2 YEARS | GNM 3 YEARS | JBT 2 YEARS
LIMITED SEATS
SC/ST को सरकार से 100% फीस छात्रवृति
ELIGIBILITY: 10+2 in any stream with 45% Marks
SC/BC with 40% Marks | AGE LIMIT: 17-35 Years.
Required Nursing Tutors
रोहतक और नजदीक के गांव से बस सुविधा उपलब्ध
Mob.: 8307117069, 9306840763, 9485578148
Email: adarshschoolmadina@gmail.com

hartron ISO 9001 : 2015
Enhance your talent
HARTRON
SKILL CENTRE For
Computer Education & Training
M.7206002575, 8929411222
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
ADMISSION OPEN-2025

Sr. No.	Name of Course	Course Duration
1.	Computer Hardware and Networking Associate	52 (Weeks)
2.	Course In Computer Application	52 (Weeks
3.	Course in Digital Accounting	52 (Weeks
4.	Course in Designing and Publishing	52 (Weeks
5.	Course in Web Technology	52 (Weeks
6.	Course in Software Development	52 (Weeks
7.	Advanced Course in Computer Application	52 (Weeks
8.	Digital Marketing Assistant	26 (Weeks
9.	Software Or Application Testing Assistant	26 (Weeks
10.	Assistant PHP Developer	26 (Weeks)
11.	Hardware Peripheral and Installation Assistant	26 (Weeks
12.	Application Development -Android	26 (Weeks
13.	Course in IT Foundation and Tools	26 (Weeks
14.	Certificate Course in Computer Basics & Accounting	26 (Weeks)
15.	Certificate Course in Web Designing and Multimedia	26 (Weeks
16.	C Language	04 (Weeks
17.	C Plus Plus With Oops	08 (Weeks)
18.	PHP With Mysql	04 (Weeks)
19.	Core Java	06 (Weeks
20.	Advance Java	08 (Weeks
21.	Financial Accounting	06 (Weeks)
22.	Autocad	08 (Weeks)
23.	Fundamentals of Cyber Security	06 (Weeks)
24.	Programming with Python	12 (Weeks)
25.	Fundamentals of Computer	12 (Weeks)

S.V. COLLEGE
18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत
हेल्थकेयर क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका
Courses:- Limited Seats
DMLT | HOSPITAL MANAGEMENT
DOTT | Radio & Medical Imaging Technology
Eligibilty 12th in any Stream
All Para Medical Course
(6 Month Certificate, 2/3 Years Programme)
UNDER UGC & MHRD (Govt. of India) Approved
Online Course
(नौकरी के साथ पढ़ाई)
BA - MA | B. COM - M. COM
BCA - MCA | LLB - LLM
BBA - MBA | & many more...
UGC-अप्रूव्ड कोर्स के साथ काउंसिलिंग रजिस्ट्रेशन भी करवाया जाता हैं।
Jind Hissar Bypass Railway Bridge, (Nehru Colony) Rohtak -124001
98126-69100, 94665-10173

खबर संक्षेप

रोहतक। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा रविवार को हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में वरिष्ठ पत्रकार सोमनाथ शर्मा का कुशलक्षेम जानने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सोमनाथ शर्मा से मुलकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पिछले कुछ दिनों से सोमनाथ शर्मा बीमार चल रहे हैं।

मदवि में अधीक्षक सुमेर अहलावत को दी विदाई

रोहतक। मदवि के अधीक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के पूर्व प्रधान सुमेर अहलावत की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गैर-शिक्षक कर्मचारियों द्वारा एक भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके साथियों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उनके समर्पण, अनुशासन तथा कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि सुमेर अहलावत ने अपने कार्यकाल में विश्वविद्यालय प्रशासन को सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने हमेशा कर्मठता और ईमानदारी को प्राथमिकता दी, जिससे वे सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बने।

खेल दिवस के अंतिम दिन निकाली साइकिल रैली

रोहतक। मदवि के खेल निदेशालय एवं शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह का समापन आज एक साइकिल रैली के आयोजन के साथ हुआ। रैली के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस.सी. मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

संघ में घोष केवल वादन या मनोरंजन नहीं, बल्कि एक साधना: आलोक कुमार

- शिविर में 400 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा वैश्य कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय हरिनाद घोष वर्ग का रविवार को भव्य रूप से संपन्न हुआ। शिविर में मुख्य वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने तथा मुख्यातिथि के तौर पर सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर संदीप चौधरी ने शिरकत की। शिविर में 400 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और घोष साधना के माध्यम से अनुशासन, एकता एवं राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय अनुभव प्राप्त किया। इस अवसर पर क्षेत्र शारीरिक प्रमुख हेमराज, संस्कार भारती के त्रिक्षेत्र संगठन मंत्री विजय कुमार, हरियाणा प्रांत के प्रांत संघचालक प्रताप सिंह, सह प्रांत कार्यवाह प्रीतम कुमार, रोहतक जिला संघचालक देवेंद्र गोयल, पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यू, अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी पहलवान योगेश्वर दत्त भी मौजूद रहे। संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि "संघ में घोष केवल वादन या मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह एक साधना है, जो मनुष्य को अनुशासन, समन्वय और राष्ट्रहित से जोड़ती है।

संघ से स्वयंसेवकों में एकता, अनुशासन व चरित्र का निर्माण: ब्रिगेडियर

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार व अन्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य।

रोहतक। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यू व अन्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य।

मेरी तीन पीढ़ियां देश की सेवा कर रही

मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर संदीप चौधरी घोष प्रदर्शन देखकर अभिभूत हुए और उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि मैं स्वयंसेवकों के इस प्रदर्शन को शब्दों में ब्यान नहीं कर सकता। 100 साल से मेरे परिवार की तीन पीढ़ियां फौज के माध्यम से देश सेवा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि संघ में रहकर स्वयंसेवकों में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन व चरित्र निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि घोष केवल वाद्ययंत्र बजाने की कला नहीं है, बल्कि यह आत्मबल, अनुशासन और सामूहिक समन्वय की प्रतीक साधना है।

हरियाणा की खेल नीति का ही परिणाम है कि आज हर अभिभावक अपने बच्चों को खेल में आगे बढ़ाना

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का समापन

खेलों में हरियाणा ने बनाई अलग पहचान: डॉ. अरविंद

सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार ने खेल नीति के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया है कि ओलंपिक और पैरालंपिक विजेताओं को स्वर्ण पदक पर 6 करोड़, रजत पर 4 करोड़, और कांस्य पदक पर 2.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जाए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि खेल के क्षेत्र में हरियाणा ने पूरे विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। डॉ. शर्मा रविवार को राजीव गांधी खेल परिसर में मेजर ध्यानचंद जन्मोत्सव पर आयोजित तीन दिवसीय खेल कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि खिलाड़ियों व खेल प्रेमियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा की खेल नीति का ही परिणाम है कि आज हर अभिभावक अपने बच्चों को खेल में आगे बढ़ाना चाहता है।

हरियाणा की खेल नीति पूरे देश में एक आदर्श मॉडल के रूप में देखी जा रही है, क्योंकि यह खिलाड़ियों को सर्वाधिक नकद पुरस्कार और सुविधाएं प्रदान करती है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार ने खेल नीति के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया है कि ओलंपिक और पैरालंपिक विजेताओं को स्वर्ण पदक पर 6 करोड़, रजत पर 4 करोड़, और कांस्य पदक पर 2.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जाए। इसके अलावा प्रत्येक प्रतिभागी खिलाड़ियों को भी 15 लाख रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ओलम्पिक एवं पैरालम्पिक खेलों हेतु चुने गए हरियाणा के खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार राशि में से प्रशिक्षण तथा खुराक हेतु अग्रिम 5 लाख रुपये देने का प्रावधान है।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। फिटनेस केवल शरीर की मजबूती नहीं बल्कि यह एक अनुशासित जीवन का प्रतीक है। खेलों के माध्यम से हम केवल पदक नहीं जीतते, बल्कि एक सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव रखते हैं। उन्होंने कहा कि यही सोच हरियाणा ने अपनाई है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार ने खेलों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछले सत्रह वर्षों में पांच ओलंपिक खेल हुए और हरियाणा के किसी न किसी खिलाड़ी ने हर बार पदक जीतकर तिरंगे की शान बढ़ाई है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने ओलंपिक खेलों में 15 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है।

साइकिल रैली निकाली

इससे पहले नशा मुक्ति हरियाणा को लेकर साइकिल रैली भी निकाली गई। इस साइकिल रैली में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा के साथ रोहतक के उपायुक्त सचिन गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने भी भाग लिया। इस अवसर पर मेयर रामअवतार वाल्मीकि, उपायुक्त सचिन गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, नगराधीश अंकित कुमार, उप-निदेशक खेल सुरजीत कुमार, अभिनंदन शर्मा, सुरेंद्र, मोनू अत्री, हरीश चेयरमैन व स्वीटी मलिक आदि मौजूद थे।

8 पदक हरियाणा को मिले

डा. शर्मा ने कहा कि ओलंपिक 2024 में जीते गए 6 पदकों में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते है। पैरालंपिक 2024 में देश को 29 पदक मिले, जिनमें 8 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के हिस्से में आए। यह उपलब्धि कोई साधारण बात नहीं है बल्कि हमारे कोचों की मेहनत, खिलाड़ियों की तपस्या और सरकार की दृढ़ नीतियों का परिणाम है। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि उनकी प्रतिभा ने विश्व पटल पर भारत को गौरवान्वित किया है। उन्होंने तीन दिवसीय खेल उत्सव के कार्यक्रमों को यूट्यूब पर लाइव दिखाने पर उपायुक्त सचिन गुप्ता की सराहना की। इससे पहले उन्होंने रिंग में जाकर मुक्केबाजों का हाथ मिलवा कर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

रोहतक। गांव पिलाना में मन की बात कार्यक्रम सुनते हुए डॉ. अशोक कुमार रंगा और सरपंच जितेन्द्र सिंह।

पिलाना में सुना प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव पिलाना में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर ग्रामीणों के साथ भाजपा जिला प्रभारी सभी प्रकोष्ठ डॉ. अशोक कुमार रंगा और गांव के सरपंच जितेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए विचारों को लोगों ने बड़े ध्यान से सुना और उससे प्रेरणा लेने की बात कही। डॉ. अशोक कुमार रंगा ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह देश के हर नागरिक को जोड़ने और समाज में सकारात्मक सोच को मजबूत करने का माध्यम है। सरपंच जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह प्रयास वास्तव में ग्रामीण भारत तक विकास की सोच और राष्ट्रीय मुद्दों की जानकारी पहुंचाने का एक सशक्त साधन है। उन्होंने कहा कि गांव के लोग इस कार्यक्रम से लगातार नई दिशा और ऊर्जा प्राप्त करते हैं। ग्रामीणों ने भी सामूहिक रूप से कार्यक्रम सुनने पर खुशी जताई और कहा कि इस तरह के आयोजन गांव में आपसी एकता को और मजबूत करते हैं। इस दौरान धर्मेंद्र पिलाना, बजरंग परमार बीडीसी मेम्बर, नत्थू राम, सुरेन्द्र सिंह, दीपक,ओम, अनिल,कालू, राहुल,रोशन,गोलू,चीनू, मनोज, भंवर सिंह, सत्यवान, कर्म सिंह, धर्मपाल, वेदपाल,काला, नसीब , प्रवीन व सुरेश सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

गणेश महोत्सव का आयोजन किया

रोहतक। डीएलएफ कॉलोनी स्थित एकता गली में गणेश महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संतोष मलिक ने गणेश की प्रतिमा की स्थापना की। उन्होंने बताया कि अमृतवाणी मंडली की तरफ से इस गणेश उत्सव का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर रोज शाम को कीर्तन का आयोजन किया जाता है और भगवान गणेश की आरती की जाती है। आज राधा अष्टमी के अवसर पर केक काटकर राधा का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर संतोष मलिक, कांता बंसल और अमृतवाणी मंडली की सभी महिलाएं और भक्तजन उपस्थित रही।

आर्य नगर में हो गणेश महोत्सव

रोहतक। सहेली सखी सेवा मंडल द्वारा आर्य नगर में हो गणेश महोत्सव में पूजा अर्चना करने पहुंचे रोहतक के विधायक बी बी बत्रा और लिया गणपति से आशीर्वाद सहेली सेवा मंडल सभी मैंबर उपस्थित रही वंशिका चंचल हर्षिता सोनम परी मुस्कान अदिति अंशू काजल निकी शाक्षी व सभी मोहल्ले वासी उपस्थित रहे।

रोहतक। विधायक बीबी बत्रा को स्मृति चिन्ह देते सहेली सखी सेवा मंडल के सदस्य।

श्री बाबा मस्तनाथ स्कूल में भारत जानो प्रतियोगिता का आयोजन

रोहतक। श्री बाबा मस्तनाथ पब्लिक स्कूल में भारत विकास परिषद के सौजन्य से भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के लगभग 600 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने ज्ञान और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। परीक्षा के दौरान भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय सहसंयोजक अशोक गुप्ता, रतन शाखा के अध्यक्ष विजय गुप्ता तथा शाखा सचिव आत्म प्रकाश भूटानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय के निदेशक पीएन मुज्जु तथा प्राचार्या कमला गिल ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें इसी प्रकार निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्ष ममता सिंह ने कहा कि भारत को जानो प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धन का एक उत्कृष्ट माध्यम है, जिससे उनमें देशभक्ति, संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति गहरी समझ विकसित होती है। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सशक्त पहल साबित हुई।

ई क्षतिपूर्ति पोर्टल को बंद करे सरकार सैटेलाइट से करवाए गिरदावरी

महम। रविवार को महम में चौबीसी सर्वखाप पंचायत पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में खाप चौधरियों ने महम चौबीसी क्षेत्र के गांवों में जलभराव की स्थिति पर चिंता जताई। पंचायत के प्रधान सुभाष नम्बरदार ने कहा कि महम चौबीसी के लगभग 14 गांवों में जलभराव है की स्थिति है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के गांव भैणी सुरजन में सबसे ज्यादा नुकसान है। पूरे गांव में न केवल खेतों में फसलों का नुकसान हुआ है बल्कि गांव बस्ती में भी नुकसान है। गांव में भूमिगत जलस्तर बढ़ने के कारण घरों में दरारें आनी शुरू हो गई हैं। वहीं घरों में फर्श उखड़ना शुरू हो गए हैं। खेतों में ऊपरी जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। चौबीसी खाप पंचायत पदाधिकारियों ने कहा कि भैणी सुरजन और सैमाण गांव के किसानों की जमीन का पंजीकरण बिहार व मेवात के लोगों के नाम पंजीकरण हो रहा है। चौबीसी खाप पंचायत ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अपील करते हुए कहा कि ई क्षतिपूर्ति पोर्टल को बंद किया जाए ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। चौबीसी खाप पंचायत पदाधिकारियों ने कहा कि स्पेशल गिरदावरी करवाई जाए।

नशे की गिरफ्त में न आएं युवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

खेल दिवस पर जाट कॉलेज के मैदान में हॉकी प्रतियोगिता और साइकिल रैली निकाल कर खेल भावना को और ज्यादा मजबूत करने का संदेश दिया गया। साइकिल रैली को जाट संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और हॉकी खिलाड़ियों को दो दर्जन हाकी देने की घोषणा की।

यह प्रतियोगिता हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के उपलक्ष में हॉकी एसोसिएशन रोहतक व प्रबंधक समिति, जाट शिक्षण संस्था के सौजन्य से जाट कॉलेज के मैदान में आयोजित करवाई गई थी। साइकिल रैली में 50 से ज्यादा छोटे बड़े विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह रैली जाट संस्था के सभी स्कूल कॉलेजों को एक सूत्र में पिरोते हुए निकाली गई।

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जाट संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने खेल भावना को मजबूत करते हुए नशे जैसी बुराई से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जाट शिक्षण संस्था के विद्यार्थी हमेशा खेलों में आगे रहे हैं और हमारी प्रबंध कार्यकारिणी खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि संस्था के इन मैदानों ने देश को खेलो की दुनिया को अनेक हीरे दिए हैं। तीन दिन चले विशेष कार्यक्रमों में 7 साल से लेकर 18 वर्ष तक के विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हॉकी खिलाड़ियों को परिचय लेने के साथ-साथ उनका प्रोत्साहन जाट कॉलेज के प्राचार्य डॉ जोगेंद्र सिंह दहिया ने किया। इस मौके पर हॉकी एसोसिएशन रोहतक के सचिव किशन सिंह सैनी रिटायर्ड हॉकी कोच , जिम्नास्टिक कोच मजबूर सिंह, जाट कॉलेज के पूर्व खिलाड़ी व हॉकी कोच शत्रुंजय, वेटरन एथलीट रणवीर सिंह मलिक के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

बरसात और हुई तो रबी पर भी खड़ा होगा संकट, बने बाढ़ जैसे हालात

आज के बाद बरसात से मिलेगी आंशिक राहत

- सिंचाई विभाग का दावा, रोहतक सर्कल की सभी ड्रेन में बह रहा है पूरी क्षमता से पानी
- पंजाब में बना साइक्लोनिक सर्कुलेशन,अरब सागर से आ रही नमी वाली हवाएं राज्य में ढाह रही हैं कहर

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

जिले में रुक-रुककर बरसात होने का दौर बीते दो महीने से भी ज्यादा समय से जारी है। रविवार 31 अगस्त तक रोहतक जिले में 543.6 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। अगर 356.2 मिलीमीटर होती तो उसे सामान्य माना जाता। यानी के सामान्य से 38 प्रतिशत अधिक पानी गिर चुका है। इस बीच चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार का कहना है कि सोमवार एक अगस्त को कहीं-कहीं ज्यादा बरसात हो सकती है। इसके बाद मानसूनी की गतिविधियां कम होने की उम्मीद लगाई गई है। लगातार बारिश होने से दर्जनों गांव बुरी तरह से प्रभावित हैं। कई में तो खरीफ खत्म हो चुकी है। और बारिश होने का सिलसिला ऐसे ही जारी रहा तो किसानों को अब यह डर भी सताने लगा है कि कहीं रबी की बिजाई भी न हो पाए। आईएमडी चंडीगढ़ के मुताबिक रोहतक जिले में 1 से 31 अगस्त तक भी सामान्य से 23 प्रतिशत अधिक पानी बरसा है। ध्यान रहे कि इससे पहले जून -जुलाई में भी बारिश ने यहां कहर ढहा दिया था। जुलाई में एवरेज 284.2 एमएम बरसात हुई। सबसे ज्यादा महम में 420, कलानौर 341, रोहतक में 321, सांपला में 198 और लाखनमाजरा में 141 दर्ज की गई।

ये है मानसून टर्फ

दिन में बूंदाबांदी हुई। लेकिन राहत ये रही कि ज्यादा बरसात नहीं। देर शाम को फिर से मौसम बदला। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मौसम विभागाध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ ने बताया कि एक अगस्त को प्रदेश में कई स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। लेकिन इसके बाद कुछ राहत मिलनी शुरू होगी। 3 अगस्त तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। मानसून टर्फ अब श्रीगंगानगर, शिवपुरी, दमोह, कलिंगापट्टनम से दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी तक बना हुआ है। इन्होंने कहा कि एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन पंजाब पर बने होने से अरब सागर से भी नमी वाली हवाएं मध्यप्रदेश, राजस्थान होते हुए हरियाणा की तरफ बढ़ने से मानसून की गतिविधियां फिलहाल बढ़ी हुई हैं। 3 सितंबर तक राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में बादलवाई तथा बीच बीच में हवाओं व गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की आशंका है।

सर्कल में छोटी-बड़ी 100 ड्रेन

हमारे सर्कल में छोटी-बड़ी तकरीबन 100 ड्रेन हैं। फिलहाल इनमें पूरी

क्षमता के मुताबिक पानी बह रहा है। ड्रेन नंबर 8 में कैपसिटी के मुताबिक 1600-1700 क्यूसिक, महम ड्रेन में 500, लाखनमाजरा में 250-300, पाकस्मा में 300 क्यूसिक पानी चल रहा है। ड्रेन नंबर 8 समेत सभी ड्रेनों की लगातार निगरानी करवाई जा रही है। ताकि कहीं कोई अप्रिय घटना न हो।
-अरूण मुंजाल, कार्यकारी अभियंता, सिंचाई विभाग